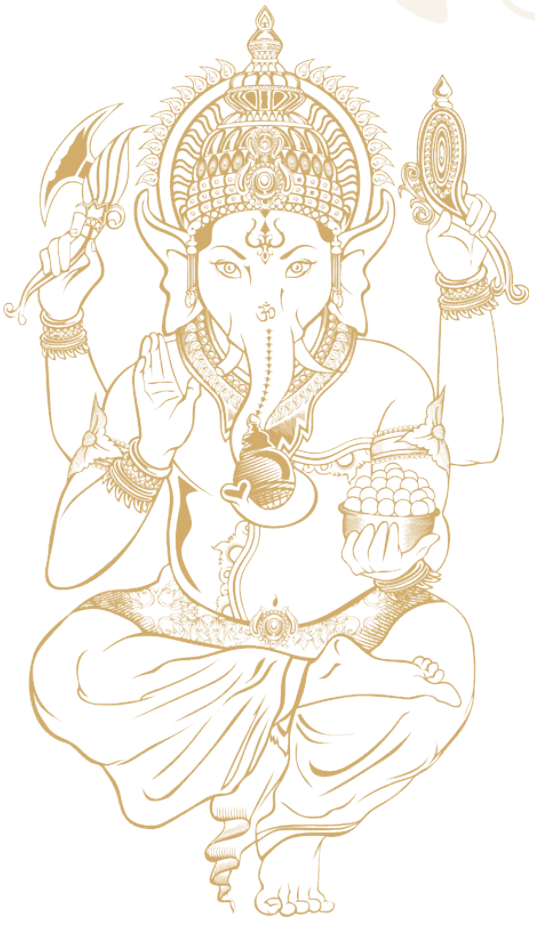

Subham

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121825306

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/07/2006	जन्म तिथि	10-11/11/2012
गुरुवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 06:05:00	जन्म समय	04:30:00 घंटे
घटी 00:40:13	जन्म समय(घटी)	54:41:04 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:54	सूर्योदय	06:37:34
19:15:44	सूर्यास्त	17:43:39
23:56:55	चित्रपक्षीय अयनांश	24:02:25

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 8मा 18दि		29:14:33	मिथु	लग्न	कन्या	25:30:08	चन्द्र 7वर्ष 0मा 25दि	
राहु		26:33:40	मिथु	सूर्य	तुला	24:55:06	मंगल	
01/04/2014		22:22:32	मक	चंद्र	कन्या	13:54:21	07/12/2019	
31/03/2032		00:00:03	सिंह	मंगल	धनु	01:20:05	07/12/2026	
राहु	12/12/2016	04:57:24	कर्क व	बुध व	वृश्चि	09:00:45	मंगल	04/05/2020
गुरु	08/05/2019	15:05:52	तुला	गुरु व	वृष	20:05:46	राहु	23/05/2021
शनि	14/03/2022	28:43:56	वृष	शुक्र	कन्या	22:17:55	गुरु	29/04/2022
बुध	30/09/2024	17:40:40	कर्क	शनि	तुला	10:17:31	शनि	08/06/2023
केतु	19/10/2025	03:38:12	मीन व	राहु व	वृश्चि	02:02:12	बुध	04/06/2024
शुक्र	18/10/2028	03:38:12	कन्या व	केतु व	वृष	02:02:12	केतु	31/10/2024
सूर्य	12/09/2029	20:33:36	कुंभ व	हर्ष व	मीन	11:00:28	शुक्र	31/12/2025
चन्द्र	14/03/2031	25:13:14	मक व	नेप व	कुंभ	06:19:06	सूर्य	08/05/2026
मंगल	31/03/2032	00:48:59	धनु व	प्लूटो	धनु	13:38:13	चन्द्र	07/12/2026

लग्न-चलित

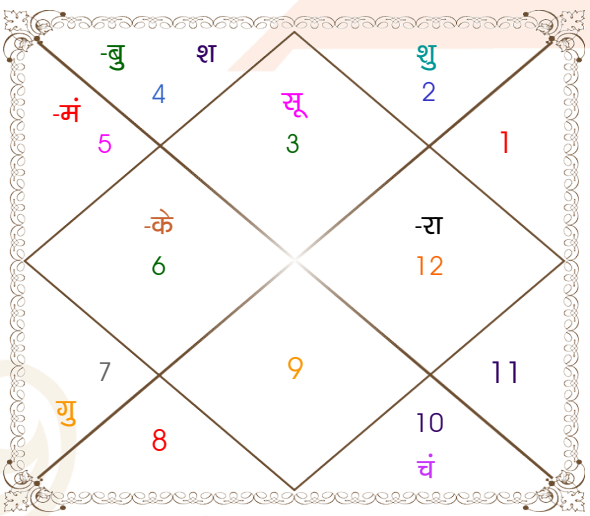

लग्न-चलित

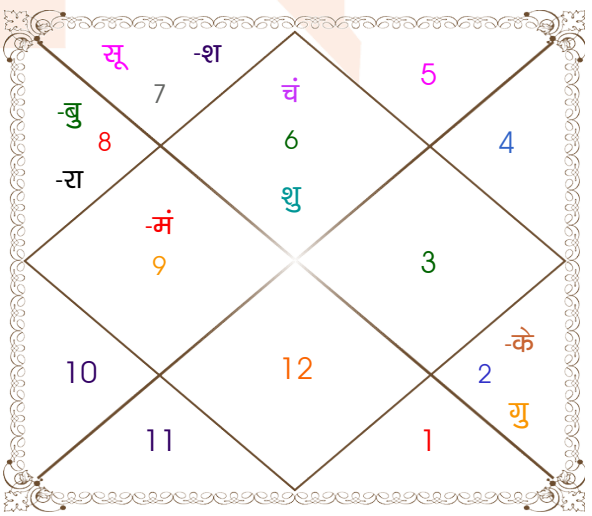

श्री संकटमोचन ज्योतिष केंद्र
नरसिंह मंदिर,कलाल घाट,तोड़ा,सांवेर(जिला)इंदौर
वैदिक पंडित पंकज मंडलोई ज्योतिष आचार्य
+91 9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Subham का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Subham और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Subham मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Subham कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Subham तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।